बरेली, सोमवार
15 दिसंबर, 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

'मेरा राजहंस' ने दिखाई पुत्र वियोग की मार्मिक गाथा

- वरिष्ठ साहित्यकार सुधीर विद्यार्थी के जीवन की सत्य घटना पर आधारित रहा नाटक
- रिद्धिमा में मंचित नाटक में सुधीर खोया रहता है अपने दिवंगत पुत्र चंदन की यादों में

जागरण संवाददाता, बरेली: रविवार शाम रिद्धिमा में मंचित 'मेरा राजहंस' ने दर्शकों की आंखें नम कर दीं। यह नाट्य प्रस्तुति किसी काल्पनिक कहानी पर नहीं, बल्कि वरिष्ठ साहित्यकार सुधीर विद्यार्थी के जीवन की सत्य घटना और उनके संस्मरण पर आधारित थी।

नाटक का मुख्य पात्र सुधीर, अपने दिवंगत पुत्र चंदन की यादों में खोया हुआ है। चंदन की असमय मृत्यु एक सड़क दुर्घटना में हुई थी। अल्पायु में ही चले गए पुत्र के वियोग में पिता की एकाकी वेदना को दर्शाती यह प्रस्तुति हृदय विदारक थी। चंदन, जिसे जन्म से ही कई बीमारियां थीं, उसने हर मुश्किल से हंसते-हंसते संघर्ष किया, लेकिन आखिर में भाग्य के आगे सबने घुटने टेक दिए। यह मर्मस्पर्शी कहानी सिर्फ एक पिता की व्यक्तिगत पीड़ा तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने देश की चिकित्सा व्यवस्था पर भी गहरा तंज कसा। मंच पर सुधीर का पुत्र के लिए दर्द और उसकी यादों में जीना, दर्शकों को चिंतन करने पर मजबूर कर गया। यह नाटक सिर्फ एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि हर उस माता-पिता के हृदय की चीख थी, जिसने अपने जिगर के टुकड़े को खोया है। एकलव्य देहरादून की पीड़ा की प्रस्तुति में मंच पर

रिद्धिमा में 'मेरा राजहंस' नाटक का मंचन करता कलाकार • सौ. संस्था

अखिलेश नारायण, मंच पार्श्व में प्रकाश संयोजन ऋतिक सिमल्टी, संगीत संरचना सुप्रिया मौलिक, प्रस्तुति नियंत्रण जागृति कोठारी की रही। इस दौरान देव मूर्ति व अन्य उपस्थित रहे।